सरकार की कमाई में जोरदार उछाल

22% की बढ़ोतरी के साथ 2.08 लाख करोड़ का राजस्व प्राप्त हुआ

करदाताओं को 89,026 करोड़ का रिफंड जारी

नई दिल्ली, 19 जून चालू वित्त वर्ष 2026-27 के शुरुआती ढाई महीनों में देश के प्रत्यक्ष कर संग्रह में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है. सरकारी आंकड़ों के अनुसार 1 अप्रैल से 17 जून 2026 के बीच नेट डायरेक्ट टैक्स कलेक्शन 14.64 प्रतिशत बढ़कर 5.21 लाख करोड़ से अधिक हो गया है.

कर संग्रह में यह तेजी भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूती, बेहतर कॉर्पोरेट प्रदर्शन और कर अनुपालन में सुधार का संकेत मानी जा रही है. वित्त मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक इस अवधि में कॉर्पोरेट टैक्स संग्रह में सबसे अधिक बढ़ोतरी देखने को मिली. कंपनियों से प्राप्त नेट कॉर्पोरेट टैक्स राजस्व 22 प्रतिशत बढ़कर लगभग 2.08 लाख करोड़ पहुंच गया.

विशेषज्ञों का मानना है कि उद्योगों की बेहतर आय, निवेश गतिविधियों में वृद्धि और आर्थिक विस्तार के कारण कॉर्पोरेट क्षेत्र से कर संग्रह में उल्लेखनीय सुधार हुआ है. गैर-कॉर्पोरेट करदाताओं से प्राप्त राजस्व में भी सकारात्मक वृद्धि दर्ज की गई. नेट नॉन-कॉर्पोरेट टैक्स कलेक्शन करीब 8 प्रतिशत बढ़कर 2.94 लाख करोड़ रहा. इस श्रेणी में व्यक्तिगत आयकरदाता, हिंदू अविभाजित परिवार, साझेदारी फर्में तथा अन्य गैर-कॉर्पोरेट इकाइयां शामिल हैं.

> सरकार ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए प्रत्यक्ष कर संग्रह का महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया है. केंद्रीय बजट में डायरेक्ट टैक्स से रुपए 26.97 लाख करोड़ जुटाने का अनुमान लगाया गया है, जो पिछले वित्त वर्ष के रुपए 23.40 लाख करोड़ के संग्रह की तुलना में लगभग 15 प्रतिशत अधिक है. वित्त वर्ष की शुरुआत में प्राप्त मजबूत कर संग्रह संकेत देते हैं कि सरकार अपने लक्ष्य की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही है. अर्थशास्त्रियों का मानना है कि यदि उद्योगों की उत्पादन क्षमता, रोजगार सृजन और उपभोक्ता मांग में मौजूदा सुधार जारी रहता है, तो आने वाले महीनों में कर संग्रह और मजबूत हो सकता है.

आईपीओ रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस मंजूर

मुंबई, 19 जून रिलायंस इंडस्ट्रीज की दूरसंचार इकाई जियो प्लेटफॉर्म के निदेशक मंडल ने कंपनी के आईपीओ के लिए रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस के प्रारूप को मंजूरी प्रदान कर दी है.

रिलायंस इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक मुकेश अंबानी ने यहां कंपनी की 49वीं वार्षिक आम सभा को संबोधित करते हुए बताया कि शुक्रवार को निदेशक मंडल ने रेड हेरिंग प्रोस्पेक्टस के प्रारूप को मंजूरी प्रदान की और आज ही इसे सेबी के पास जमा कराया जायेगा. इस आईपीओ प्रक्रिया का नेतृत्व ईशा, आकाश और अनंत अंबानी कर रहे हैं.

उन्होंने कहा कि एक समय था कि जब डाटा और वॉयस महंगा था और डाटा स्पीड कम था. जियो ने इस पूरे परिप्रेक्ष्य को बदल दिया है.

भ्रामक दावों पर एफएसएसएआई की सख्ती

लेबलिंग, विज्ञापन और खाद्य सुरक्षा नियमों के उल्लंघन पर कार्रवाई

नई दिल्ली, 19 जून भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण ने खाद्य सुरक्षा नियमों के उल्लंघन, भ्रामक विज्ञापनों और गलत लेबलिंग के मामलों में सख्त कदम उठाते हुए 14 खाद्य कंपनियों को नोटिस जारी किया है. एफएसएसएआई ने इन कंपनियों से जवाब मांगा है और उन्हें निर्देश दिया है कि वे अपनी गलतियों को सुधारें तथा खाद्य सुरक्षा और विज्ञापन से जुड़े सभी नियमों का पालन सुनिश्चित करें.

एफएसएसएआई के अनुसार यह कार्रवाई खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 तथा वर्ष 2018 के विज्ञापन और लेबलिंग नियमों के तहत की गई है. जांच में पाया गया कि कई कंपनियां अपने उत्पादों के प्रचार में ऐसे दावे कर रही थीं, जो उपभोक्ताओं को गुमराह कर सकते हैं. प्राधिकरण ने स्पष्ट किया है कि किसी भी खाद्य उत्पाद की पैकेजिंग और विज्ञापन में दी गई जानकारी सटीक, सत्य और प्रमाणित होनी चाहिए.

नोटिस पाने वाली प्रमुख कंपनियों में 'प्लक्क' शामिल है. इस कंपनी के आम के रस (मैंगो जूस) पर 'नो एडेड शुगर' यानी 'अतिरिक्त चीनी नहीं मिलाई गई' लिखा गया था. लेकिन जांच में पाया गया कि इसमें आम के गूदे के साथ गन्ने का रस भी मिलाया गया था. एफएसएसएआई का कहना है कि इससे उपभोक्ताओं को उत्पाद में मौजूद चीनी की मात्रा को लेकर भ्रम हो सकता है.

> स्वच्छता और गुणवत्ता के मामलों में भी एफएसएसएआई ने सख्ती दिखाई है. 'बीकानेरवाला' को एक शिकायत के आधार पर नोटिस जारी किया गया है, जिसमें आरोप है कि रसोई क्षेत्र में कर्मचारी द्वारा भोजन किया जा रहा था, जो स्वच्छता नियमों के खिलाफ है. एफएसएसएआई ने कंपनी से इस मामले की जांच रिपोर्ट और सुधारात्मक कदमों की जानकारी मांगी है.

फ्रंटियर मोटोकॉर्प में न्यू जेन टाटा टियागो रेंज लॉन्च

नवभारत, जबलपुर। शहर के अग्रणी टाटा मोटर्स की डीलरशिप फ्रंटियर मोटोकॉर्प में न्यू जेन टाटा टियागो पेट्रोल, सीएनजी एवं ईवी रेंज का अनावरण किया गया। यह नई कार 26.03 सेमी टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम, एंड्रॉइड ऑटो, एप्पल कारप्ले, क्रूज़ कंट्रोल और 360 डिग्री कैमरा जैसे आधुनिक फीचर्स से सुसज्जित है। लॉन्चिंग के अवसर पर फ्रंटियर मोटोकॉर्प के चेयरमैन अनमोल वाधवा, डायरेक्टर एकता वाधवा, टाटा मोटर्स के एरिया सेल्स मैनेजर रोहित शर्मा, ग्रुप जीएम सौरभ शर्मा, जीएम रूपेश सिंह बैस, सेल्स हेड संदीप मैनी, ईवी हेड विकास कोरी एवं यूवी हेड विकास राय सहित अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। इस नए अवतार की बुकिंग आज से ही आधिकारिक तौर पर प्रारंभ कर दी गई है। शोरूम प्रबंधन ने ग्राहकों की सुविधा के लिए आकर्षक फाइनेंस स्कीम और ऑन-स्पॉट लोन सुविधा भी उपलब्ध कराई है। पहले ही दिन दर्जनों ऑटोमोबाइल प्रेमियों ने इस कार की बुकिंग कर नए मॉडल के प्रति अपना भारी उत्साह प्रकट किया।

जियो आईपीओ का इंतजार खत्म

27 करोड़ शेयरों तक का फ्रेश इश्यू लाएगी कंपनी

जियो प्लेटफॉर्म्स के बोर्ड ने आईपीओ दस्तावेज को मंजूरी दी

मुंबई, 19 जून 2026: **देश के सबसे चर्चित आईपीओ में से एक माने जा रहे जियो प्लेटफ़ॉर्म्स के सार्वजनिक निर्गम की औपचारिक प्रक्रिया शुरू हो गई है. रिलायंस इंडस्ट्रीज ने स्टॉक एक्सचेंजों को दी जानकारी में बताया कि जियो प्लेटफॉर्म्स लिमिटेड के बोर्ड ने 27 करोड़ इक्विटी शेयरों तक के फ्रेश इश्यू को मंजूरी दी है.**

इन शेयरों की फेस वैल्यू 10 रुपये प्रति शेयर होगी. इश्यू प्राइस बुक बिल्डिंग प्रक्रिया के जरिए तय किया जाएगा. रिलायंस

इंडस्ट्रीज लिमिटेड की 49वीं वार्षिक आम बैठक में चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर मुकेश डी. अंबानी ने बताया कि जियो प्लेटफॉर्म्स के बोर्ड ने ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस को मंजूरी दे दी है और इसे आज सेबी के पास दाखिल किया जाएगा. कंपनी ने बीएसई और एनएसई को दी सूचना में भी कहा है कि यह आईपीओ आवश्यक नियामकीय मंजूरियों के अधीन रहेगा.

एजीएम में मुकेश अंबानी ने इसे रिलायंस परिवार और उसके लाखों शेयरधारकों के लिए भावनात्मक क्षण बताया. उन्होंने कहा कि रिलायंस और उसके शेयरधारकों का संबंध गर्व, विश्वास, सम्मान और साझा विकास पर आधारित एक गहरा और पवित्र रिश्ता है.

मुकेश अंबानी ने कहा, 'जियो की प्रस्तावित लिस्टिंग दुनिया को यह दिखाएगी कि भारत वैश्विक स्तर, वैश्विक क्षमता और वैश्विक मूल्य वाली टेक्नोलॉजी कंपनियां बना सकता है. मैं आपको और सभी संभावित नए निवेशकों को आश्वस्त करता हूं कि जियो का भविष्य और भी उज्ज्वल है.'

उन्होंने यह भी कहा कि इस वर्ष वैल्यू क्रिएशन का सबसे महत्वपूर्ण मील का पत्थर जियो का निकट भविष्य में आने वाला आईपीओ है. उनके अनुसार, यह रिलायंस शेयरधारकों के लिए बड़ा वैल्यू अनलॉक करेगा और नए निवेशकों के लिए आकर्षक निवेश अवसर पेश करेगा.

> जियो ने पिछले दस वर्षों में भारत के डिजिटल परिदृश्य को बदलने में निर्णायक भूमिका निभाई है. मुकेश अंबानी ने कहा कि जियो ने जब अपनी यात्रा शुरू की उस समय वॉइस महंगी थी, डेटा महंगा था और स्पीड कमजोर थी. जियो ने वॉइस को मुफ्त और हाई-स्पीड डेटा को किफायती बनाया, आज जियो का यूजर बेस 52.4 करोड़ को पार कर चुका है. कंपनी का 5जी सब्सक्राइबर बेस 26.8 करोड़ से अधिक है, जो चीन के बाहर किसी एक देश के ऑपरेटर के लिए सबसे बड़ा है. जियोएयरफाइबर भी 1.3 करोड़ कनेक्टेड होम्स तक पहुंच गया है और जियो दुनिया का सबसे बड़ा फिक्स्ड वायरलेस ब्रॉडबैंड ऑपरेटर बन गया है.

फेनेस्टा ने जबलपुर में लॉन्च किया दूसरा शोरूम

नवभारत, जबलपुर। दरवाज़ों और खिड़कियों के ब्रांड फेनेस्टा ने नवीन विद्या भवन रोड, नेपियर टाउन में नए शोरूम के लॉन्च के साथ मध्य भारत में अपनी मौजूदगी को और सशक्त बना लिया है। एसआरबीएच डेवलपर्स द्वारा संचालित यह शोरूम मध्य प्रदेश में कंपनी का 13वां और जबलपुर में दूसरा शोरूम है, जो उभरते रिहायशी एवं कमर्शियल मार्केट्स में विश्वस्तरीय फेनेस्ट्रेशन समाधानों को उपभोक्ताओं के करीब लाने की कंपनी की प्रतिबद्धता को मजबूत बनाता है। यह शोरूम उपभोक्ताओं को यूपीवीसी और एलुमिनियम विंडोज़ एवं डोर्स, सोलिड पैनल डोर और फॉसेड्स का उत्कृष्ट अनुभव प्रदान करेगा, जो आधुनिक आर्कीटेक्चर की जरूरतों के अनुसार घर के मालिकों, आर्कीटेक्ट्स, इंटीरियर डिज़ाइनरों एवं बिल्डरों के लिए वन-स्टॉप डेस्टिनेशन बन जाएगा।

शोरूम का क्षेत्रीय विस्तार

लॉन्च के अवसर पर फेनेस्टा के बिजनेस हेड साकेत जैन ने कहा कि तेज़ी से हो रहे शहरी विकास, इन्फ्रास्ट्रक्चर में बढ़ते निवेश तथा प्रीमियम बिल्डिंग समाधानों की बढ़ती मांग के चलते मध्य प्रदेश फेनेस्टा के लिए महत्वपूर्ण मार्केट है। जबलपुर में दूसरे शोरूम का लॉन्च उच्च क्षमता वाले क्षेत्रीय बाज़ारों में मौजूदगी के विस्तार और आधुनिक फेनेस्ट्रेशन प्रोडक्ट्स को और अधिक सुलभ बनाने के प्रयासों को दर्शाता है, जिससे उपभोक्ता रिहायशी एवं कमर्शियल प्रोजेक्ट्स के लिए सोच-समझ कर अपनी पसंद के प्रोडक्ट खरीदने का फैसला ले सकेंगे। देश भर में 400 से अधिक डीलरों के नेटवर्क तथा नेपाल, भूटान, मालदीव्स, श्रीलंका, घाना और केन्या जैसे देशों में मौजूदगी के साथ फेनेस्टा इनोवेशन, गुणवत्ता और सस्टेनेबिलिटी पर फोकस जारी रखे हुए है।

नौकरी छोड़कर शुरू किया ऑर्गेनिक फूड बिजनेस

रांची, 19 जून रांची के सूरज की कहानी आज उन युवाओं के लिए प्रेरणा बन गई है, जो सुरक्षित नौकरी छोड़कर खुद का व्यवसाय शुरू करने का साहस नहीं जुटा पाते. इलाहाबाद विश्वविद्यालय से पढ़ाई पूरी करने के बाद सूरज को एक बैंक में अच्छी नौकरी मिल गई थी, लेकिन कुछ समय बाद उन्होंने इस स्थिर करियर को छोड़कर अपने जुनून और स्वास्थ्य आधारित सोच को व्यवसाय का आधार बनाने का फैसला किया. सूरज ने मखाना, किनुआ और चिया सीड्स जैसे ऑर्गेनिक और पोषण से भरपूर खाद्य उत्पादों को अपना व्यवसाय चुना. उनका मानना था कि आज के समय में लोग तेजी से स्वास्थ्य के प्रति जागरूक हो रहे हैं और प्राकृतिक तथा पौष्टिक आहार की मांग बढ़ रही है. इसी सोच के साथ उन्होंने 'ऑर्गेनिक मंच' नाम से अपना ब्रांड शुरू किया. शुरुआत आसान नहीं थी. सीमित संसाधनों के बीच उन्होंने स्कूटी से सामान ढोकर छोटे स्तर पर पैकेजिंग और बिक्री शुरू की. शुरुआती दौर में लोगों ने उनके इस निर्णय का मजाक उड़ाया, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी. धीरे-धीरे उन्होंने बिहार से मखाना, मध्य प्रदेश के किसानों से किनुआ और चिया सीड्स को कॉन्ट्रैक्ट फार्मिंग के माध्यम से लेना शुरू किया, जिससे उत्पादों की गुणवत्ता बनी रही. सूरज का फोकस केवल बिक्री पर नहीं बल्कि गुणवत्ता और स्वास्थ्य पर भी रहा. किनुआ को वे एक ऐसे सुपरफूड के रूप में पेश करते हैं, जिसमें कम कैलोरी और उच्च फाइबर पाया जाता है. वहीं चिया सीड्स और मखाना को भी वे पोषण से भरपूर विकल्प के रूप में बढ़ावा देते हैं, जिन्हें लोग अपने दैनिक आहार में आसानी से शामिल कर सकते हैं. सूरज की यह यात्रा इस बात का उदाहरण है कि सही विचार, धैर्य और मेहनत के साथ कोई भी व्यक्ति पारंपरिक नौकरी के दायरे से बाहर निकलकर सफल उद्यमी बन सकता है.ह्य

वीआईटी यूनिवर्सिटी की रैंकिंग में उछाल

वेल्लोर, 19 जून : वीआईटी यूनिवर्सिटी ने प्रतिष्ठित क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2027 **में 597वां स्थान हासिल करके एक उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है.**

वैश्विक उच्च शिक्षा विश्लेषण फर्म, क्यूएस क्वाक्वेरेली साइमंड्स ने अपने वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग का नवीनतम संस्करण जारी किया, जिसमें पांच प्रमुख मानकों: अनुसंधान और खोज सीखने का अनुभव रोजगार क्षमता अंतर्राष्ट्रीय जुड़ाव और स्थिरता के आधार पर दुनिया भर के 1,500 से अधिक

संस्थानों का मूल्यांकन किया गया.

इस वर्ष, वीआईटी ने अपनी 2026 की 691वीं पिछली रैंकिंग से 94 स्थान आगे बढ़कर मजबूत प्रगति का प्रदर्शन किया है.

इस उपलब्धि पर टिप्पणी करते हुए, वीआईटी के चांसलर डॉ. जी. विश्वनाथन ने कहा, 'एक अत्यधिक प्रतिस्पर्धी वैश्विक माहौल में, क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग में वीआईटी यूनिवर्सिटी का महत्वपूर्ण सुधार बेहद गर्व की बात है.'

उन्होंने आगे कहा, 'विश्वविद्यालय ने स्थिरता श्रेणी में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन किया, जिसने दुनिया भर में 352वां स्थान और 2026 की रैंकिंग में भारत में 7वां स्थान हासिल किया. इंजीनियरिंग और टेक्नोलॉजी के लिए विषय आधारित क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2026 में, वीआईटी को विश्व स्तर पर 119वां स्थान और भारतीय संस्थानों में छठा स्थान मिला है. शिक्षण में नवाचार और अनुसंधान में अभूतपूर्व प्रगति के माध्यम से, वीआईटी का लक्ष्य दुनिया भर के शीर्ष 200 विश्वविद्यालयों में जगह बनाना है.

एआई का खौफ आईटी सेक्टर में हाहाकार

नई दिल्ली, 19 जून 2026 दुनियाभर के आईटी सेक्टर में इस समय भारी हलचल और बेचैनी का माहौल है. इसकी सबसे बड़ी वजह दुनिया की दिग्गज आईटी और कंसल्टिंग कंपनी एक्सेंचर के शेयरों में आई करीब 20% की तेज गिरावट है. इस गिरावट ने सिर्फ एक कंपनी को नहीं, बल्कि पूरे वैश्विक आईटी सेक्टर को हिला दिया है. निवेशकों के बीच सबसे बड़ा डर यह फैल गया है कि कहीं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) पारंपरिक आईटी और कंसल्टिंग बिजनेस को कमजोर तो नहीं कर देगा. हालांकि कंपनी का कहना है कि यह गिरावट अस्थायी है और भविष्य में एआई ही ग्रोथ का बड़ा कारण बनेगा. आईटी सेक्टर में जो संकट दिख रहा है, उसकी शुरुआत एक्सेंचर के तिमाही नतीजों के बाद हुई. कंपनी ने बताया कि उसकी आमदनी तो बढ़ी है, लेकिन नए प्रोजेक्ट्स और सौदों (न्यू बुकिंग्स) में कमी आई है. शेयर बाजार में यही संकेत सबसे ज्यादा मायने रखते हैं, क्योंकि यह भविष्य की कमाई को दिखाते हैं. जैसे ही निवेशकों को लगा कि आगे ग्रोथ धीमी हो सकती है, शेयरों में भारी बिकवाली शुरू हो गई और कीमत करीब 20% तक गिर गई.

समाचार विशेष

मिशन 2027 के लिए मायावती का बड़ा दांव

जुलाई के अंत तक घोषित करेगी 100 से ज्यादा उम्मीदवार

लखनऊ. उत्तर प्रदेश में होने वाले आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर बहुजन समाज पार्टी ने अपनी कमर पूरी तरह कस ली है. बसपा अध्यक्ष मायावती के कड़े निर्देशों के बाद पार्टी ने अब अपने उम्मीदवारों के चयन की रफ्तार को काफी तेज कर दिया है. बसपा की योजना जुलाई महीने के अंत तक 100 से अधिक प्रत्याशियों के नामों की घोषणा करने की है.

बसपा राजनीतिक गलियारे में एकमात्र ऐसी पार्टी बनकर उभरी है, जिसने चुनाव से करीब 10 महीने पहले ही अपने उम्मीदवारों को मैदान में उतारने की प्रक्रिया शुरू कर दी है. पार्टी सूत्रों के मुताबिक, अब तक करीब 10 विधानसभा सीटों पर उम्मीदवारों के नामों पर अंतिम सहमति भी बन चुकी है. इस रणनीति का मुख्य मकसद

जनता के बीच उम्मीदवारों की पकड़ मजबूत करना है. मायावती के निर्देश पर अब सभी जिलों में संभावित उम्मीदवारों की मदद और जमीनी पकड़ मजबूत करने के लिए कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित किए जाएंगे. इन सम्मेलनों में बसपा के वरिष्ठ पदाधिकारी हिस्सा लेंगे, ताकि कार्यकर्ताओं का जोश बढ़ाया जा सके. पार्टी का मानना है कि इन सम्मेलनों की सफलता ही चुनाव में उनके टिकट के दावों को पुख्ता और मजबूत करेगी.

> **विरोधियों को बताया जातिवादी**
>
> मायावती ने अपने बयान में विरोधी राजनीतिक दलों को आड़े हाथों लेते हुए उन्हें पूरी तरह जातिवादी और संकीर्ण मानसिकता वाला बताया. उन्होंने दावा किया कि विरोधी पार्टियों का रवैया हमेशा से ओबीसी समाज के प्रति बेहद खराब रहा है. इन पार्टियों ने राजनीतिक और चुनावी स्वार्थ के कारण ही कभी किसी ओबीसी वर्ग के व्यक्ति को आगे बढ़ाया है, जबकि ओबीसी समाज का असली हित और सुरक्षा सिर्फ और सिर्फ बसपा के साथ ही संभव है.

नवीन पटनायक से सीखें ममता

नई दिल्ली. ओडिशा के पूर्व मुख्यमंत्री नवीन पटनायक से ममता बनर्जी को सीखना चाहिए. 79 साल के नवीन पटनायक नए सिरे से शक्ति संचित कर रहे हैं और अपनी पार्टी को बचाने के साथ साथ उसे राजनीतिक रूप से प्रासंगिक बनाने की कोशिश कर रहे हैं.

गौरतलब है कि 2024 के चुनाव के बाद उनकी पार्टी में भी बिखराव हुआ है. हालांकि वैसा नहीं हुआ, जैसा ममता बनर्जी की पार्टी में हो रहा है. इसका कारण यह था कि ओडिशा के लोगों ने भले नवीन बाबू को हरा दिया था लेकिन लोग उनसे या उनकी पार्टी के दूसरे नेताओं से नफरत नहीं करते थे. कई जगह तो लोगों ने चुनाव नतीजों के बाद अफसोस जताया और कहा गया कि दोबारा चुनाव हो जाए तो फिर बीजू जनता दल जीत जाए. बहरहाल, पता नहीं तीन साल बाद होने वाले चुनाव में क्या होगा लेकिन उससे पहले नवीन पटनायक पूरी ताकत से सक्रिय हो गए हैं.

नवीन पटनायक ने अपने नेताओं के साथ बैठक की है. पहले तो वे अपने विधायकों से मिले. लेकिन उसके बाद वे विधानसभा और लोकसभा चुनाव में हारे हुए अपने प्रत्याशियों के साथ मिले.

सोशल मीडिया पोस्ट पर फंसे स्टालिन

चेन्नई. तमिलनाडु की विजय सरकार में पीडब्ल्यूडी मंत्री आधव अर्जुन ने पूर्व मुख्यमंत्री और डीएमके चीफ तमिलनाडु राज्य की राजनीति में हलचल मची हुई है. डीएमके के प्रमुख एमके स्टालिन के घर अब लीगल नोटिस आ गया है. विजय की टीवीके सरकार आने के बाद आए दिन एमके स्टालिन का विवादित बयान सामने आ रहा है.

ऐसे में टीवीके मंत्री के खिलाफ एक बयान अब उन्हीं पर भारी पड़ गया है. यह पूरा मामला 8 जून की एक सोशल मीडिया पोस्ट से जुड़ा है, जिस पर अब टीवीके मंत्री ने एक्शन ले लिया है. अपनी सोशल मीडिया पोस्ट पर एमके स्टालिन ने दावा किया था मंत्री आधव अर्जुन का ड्रग तस्करों के साथ संबंध है.

एमके स्टालिन ने लगाए आरोप- दरअसल, उन्होंने अपनी पोस्ट में लिखा था कि, ईडी की एक प्रेस रिलीज के अनुसार, चेन्नई

और रामनाथपुरम में जब्त किए गए 258 करोड़ रुपये के ड्रग तस्करी के मास्टरमाइड जॉन ब्रिटो, आधव अर्जुन के करीबी रिश्तेदार हैं. इस पोस्ट को लेकर अब एमके स्टालिन को लीगल नोटिस भेजा गया है. इसमें ड्रग तस्करी के मास्टरमाइंड जॉन ब्रिटो को रिश्तेदार बताने के लिए उन्हें बिना शर्त माफी मांगने के लिए कहा गया है. इतना ही नहीं बल्कि हर्जाने के रूप में 1 करोड़ रुपये देने की मांग भी की गई है. मंत्री आधव अर्जुन ने एमके स्टालिन को 48 घंटे का समय देते हुए सार्वजनिक माफी मांगने को कहा है.

सोशल मीडिया और टीवी पर प्रसारित करने की मांग

साथ ही स्टालिन और डीएमके की आईटी विंग को भेजे गए इस नोटिस में आधव अर्जुन ने कहा कि माफी को सोशल मीडिया में शेयर करना होगा. साथ ही तमिल और अंग्रेजी अखबारों और टीवी चैनलों में प्रसारित भी करना होगा. आधव अर्जुन ने नोटिस में कहा कि अगर ऐसा नहीं किया तो वह उनके खिलाफ आगे की कानूनी कार्रवाई करेंगे. बता दें, कि 8 जून को एमके स्टालिन ने ईडी की प्रेस रिलीज के हवाले से चेन्नई और रामनाथपुरम में जब्त किए गए 258 करोड़ रुपये के ड्रग तस्करी के मास्टरमाइड जॉन ब्रिटो, आधव अर्जुन के करीबी रिश्तेदार होने का दावा किया था. इन दावों को आधव अर्जुन ने स्टालिन खारिज किया है.

विशेष | **चंद्रशेखर आजाद से मुलाकात के मायने**

नए समीकरण तलाश रहे स्वामी प्रसाद मौर्य

लखनऊ. कभी बहुजन समाज पार्टी में नंबर दो के नेता रहे स्वामी प्रसाद मौर्य राजनीति के नये अवसर तलाशने में जुटे हुए हैं. 2022 के विधानसभा चुनाव से पहले बीजेपी का दामन छोड़कर समाजवादी पार्टी की साइकिल पर सवारी करने वाले स्वामी प्रसाद मौर्य फ़िलहाल अपनी सियासी जमीन तलाश रहे हैं.

2027 के यूपी विधानसभा चुनाव से पहले एक बार फिर वे नए समीकरण में अपनी गोटी बैठाने में जुटे हैं. इसी क्रम में स्वामी प्रसाद मौर्य ने नगीना से सांसद और आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के मुखिया चंद्रशेखर आजाद से मुलाकात की. इस मुलाकात के कई मायने निकाले जा रहे हैं.

दरअसल, चंद्रशेखर आजाद 2027 विधानसभा चुनाव से पहले प्रत्याशियों का इंटरव्यू ले रहे हैं. इसी दौरान स्वामी प्रसाद मौर्य ने उनसे मुलाकात की. जिसके बाद सियासी गलियारों में चर्चा शुरू हो गई कि स्वामी प्रसाद मौर्य चंद्रशेखर आजाद की पार्टी और असदुद्दीन ओवैसी को अपने तीसरे मोर्चे में शामिल करना चाहते हैं. चंद्रशेखर आजाद भी कह चुके हैं कि उनकी पार्टी किसी बड़े दल से गठबंधन नहीं करेगी. ऐसे स्वामी प्रसाद मौर्य की उनसे मुलाक़ात नया सियासी संकेत की तरह है.

तीसरे मोर्चे में एंट्री की कोशिश- उधर स्वामी प्रसाद मौर्य का भी कहना है कि जो भी बहुजन की बात करेगा, उसको साथ लाने का प्रयास करेंगे. जिसके बाद कहा जा रहा है कि स्वामी प्रसाद मौर्य के तीसरे मोर्चे में चंद्रशेखर आजाद और असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी की एंट्री हो सकती है.

गौरतलब है कि स्वामी प्रसाद मौर्य करीब तीन दशक से यूपी की राजनीति में सक्रिय हैं. लेकिन 2022 विधानसभा चुनाव में उन्हें पडरौना सीट से करारी शिकस्त का सामना करना पड़ा. इसके बाद समाजवादी पार्टी ने उन्हें एमएलसी बनाया, लेकिन लगातार रामचरितमानस पर हमले के बाद सपा में भी कलह शुरू हो गई. इसके बाद 2024 में उन्होंने सपा एमएलसी पद दोनों से इस्तीफा दे दिया. इसके बाद स्वामी प्रसाद मौर्य ने खुद अपनी पार्टी बनाई.

राष्ट्रीय शोषित समाज पार्टी बनाने के बाद उन्होंने 9 छोटे दलों से गठबंधन कर लोक मोर्चा नाम से एक थर्ड फ्रंट बनाया है.

> **इस वोट बैंक को साधने की कोशिश**
>
> कहा जा रहा है कि स्वामी प्रसाद मौर्य इस थर्ड फंट में आजाद समाज पार्टी और एआईएमआईएम को भी शामिल कराना चाहते हैं. इसके पीछे उनकी मंशा है कि जनता के सामने एक तीसरा विकल्प दिया जाए. साथ ही दलित, पिछड़ा खासकर कोइरी समाज और मुस्लिम वोट बैंक को लामबंद करने की भी कोशिश है. चंद्रशेखर आजाद की थर्ड मोर्चे में एंट्री से दलित वोट बैंक को साधने में आसानी होगी, वही एआईएमआईएम की एंट्री से मुस्लिम वोट बैंक भी मोर्चे से जुड़ेगा.